कितनी गड़बड़
और
छोटा हाथी

कितनी गड़बड़
और
छोटा हाथी

हिंदी: मोहिनी कुमार

कितनी गड़बड़

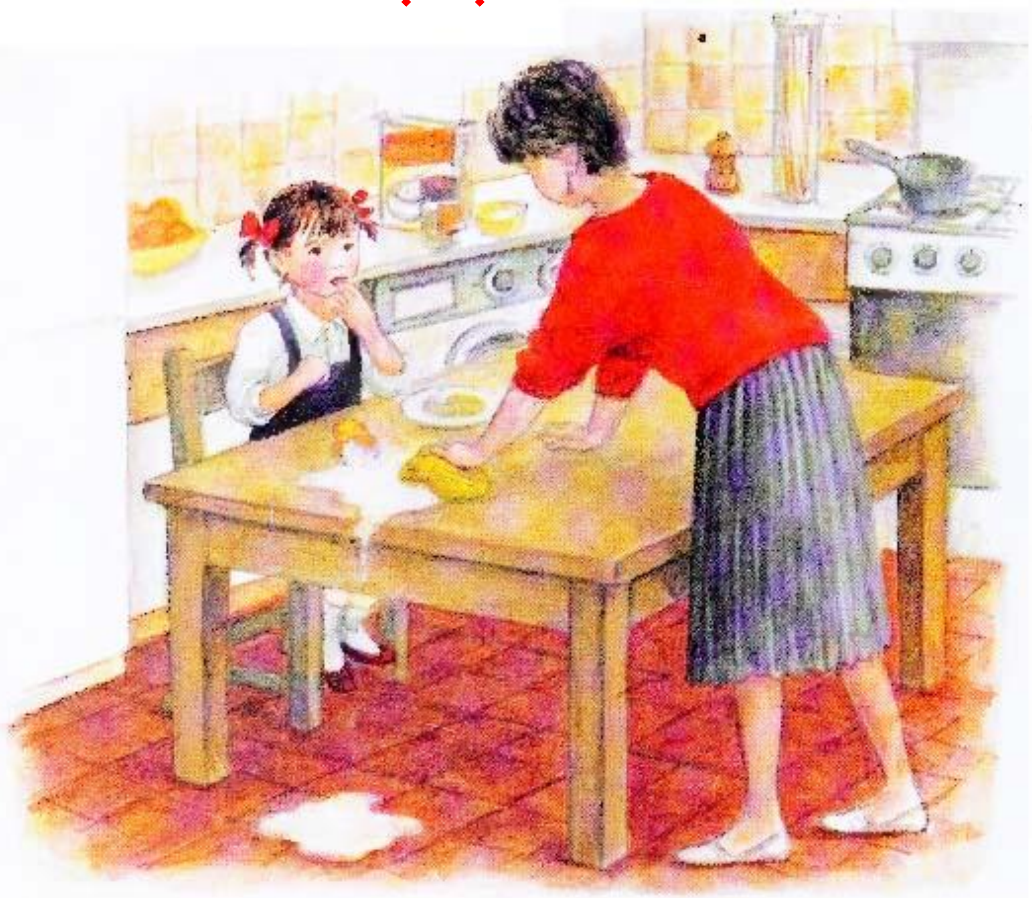

पेनी ने अपना दूध गिरा दिया।
माँ ने पेनी से कहा,
"जरा दूध को देखो।
तुमने कितनी गंदगी की है।"

पेनी ने चित्रकारी करते समय
पानी गिरा दिया।
माँ ने पेनी से कहा, "जरा पानी तो देखो।"
"तुमने कितनी गंदगी की है!"

पेनी बाग में गिर गई।
उसके जूते गीले हो गए
और कोट में कीचड़ लग गई।

माँ ने कहा, "अपने-आप को देखो,
तुम कितनी गंदी हो गई हो,
कितनी मुसीबत हो गई।"

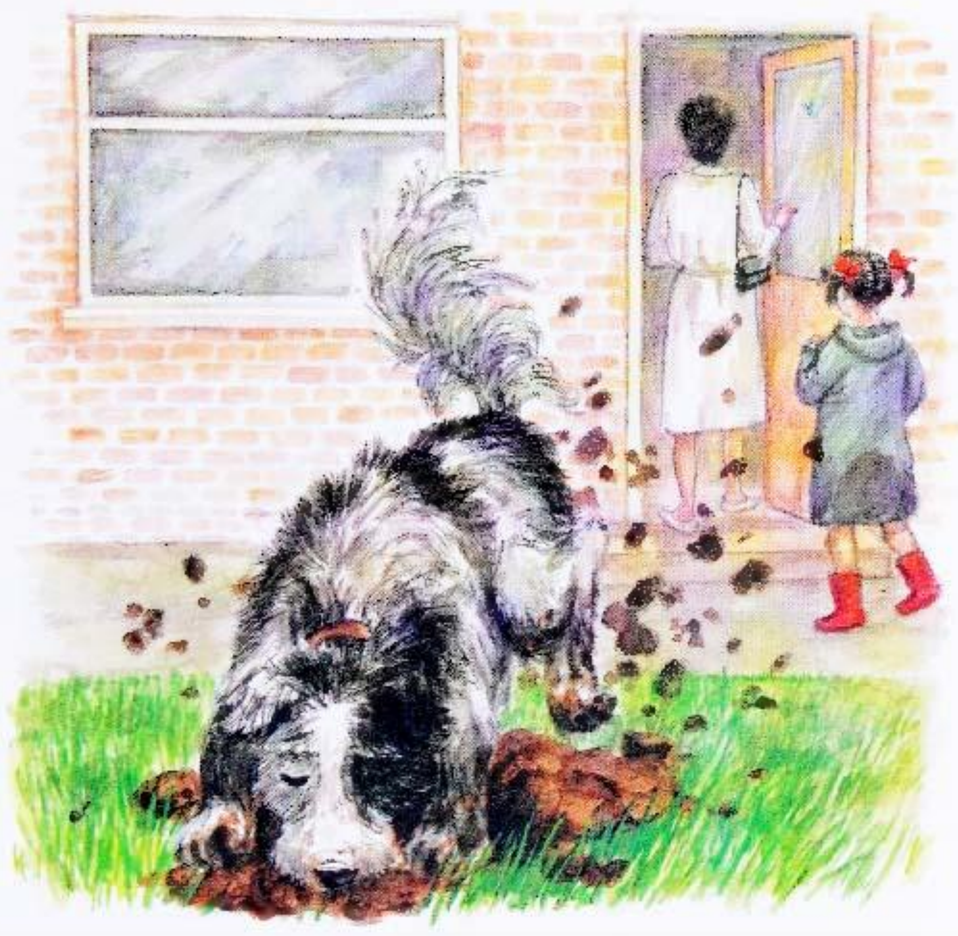

"चलो अब चलो पेनी।"
माँ ने कहा, "हमें घर जाना चाहिए।"
पेनी ने अपने कुत्ते डिगर से कहा,
"चलो डिगर, हमें घर जाना चाहिए।"

पेनी और माँ
घर के अंदर चले गए,
मगर डिगर बाग में
खुदाई करना चाहता था।

फिर पिताजी घर आए।
(बाहर दिखाकर बोले)
"जरा देखो डिगर को।
उसने कितनी गंदगी की है।"

माता-पिता पेनी बाहर बाग में गए...
डिगर उनके ऊपर कूदा
"जरा हम सभी को देखो," पेनी ने कहा,
"अब हम सब कितने गंदे हैं।"

छोटा हाथी

पिताजी ने कहा,
"चलो, चिड़ियाघर चलते हैं।"
टॉम और जेनी बोले,
"हाँ, चलो चिड़ियाघर चलें।"

माँ ने अपनी धूप वाली टोपी (हैट) पहनी।
पिताजी ने खाने के लिए कुछ सूखे मेवे
झोले में रखे।
टॉम और जेनी कार में बैठ गए।
पिताजी बोले, "चलो, चलें।"

टॉम ने कहा,
"क्या हम हाथी देख सकते हैं?"
जेनी ने कहा,
"मैं हाथी की सवारी करना चाहती हूँ।"

"इस बड़े से हाथी को देखो।"
टॉम बोला।
जेनी ने पिताजी के झोले में से एक मेवा
निकाल कर हाथी को खिलाया।

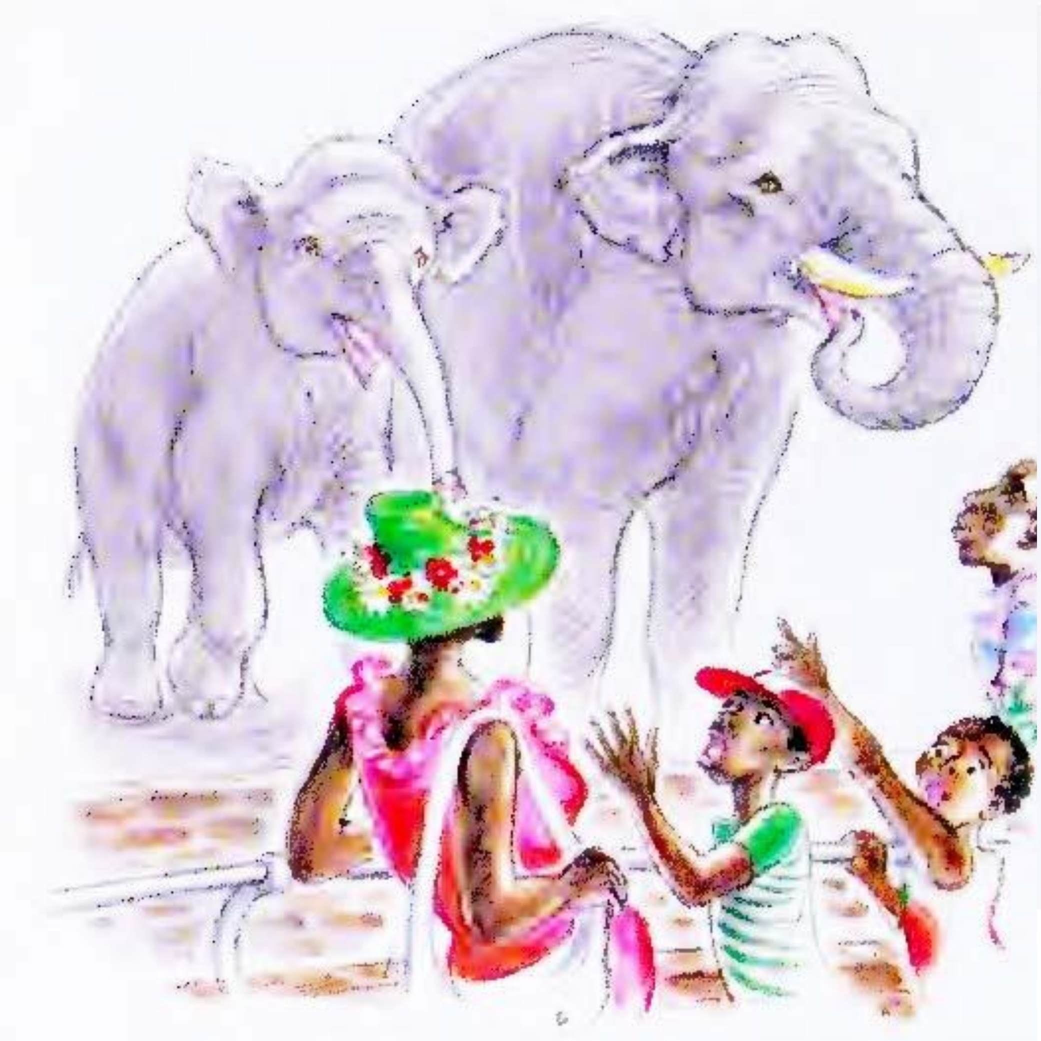

जेनी बोली, "उस छोटे से हाथी को देखो।"
टॉम बोल पड़ा,
"माँ अपने आप को संभालो।"

"छोटे हाथी ने माँ की टोपी उठा ली।"
माँ नाराज हुई।
माँ ने कहा, "उसे मेरी हैट वापस
करने को कहो।"

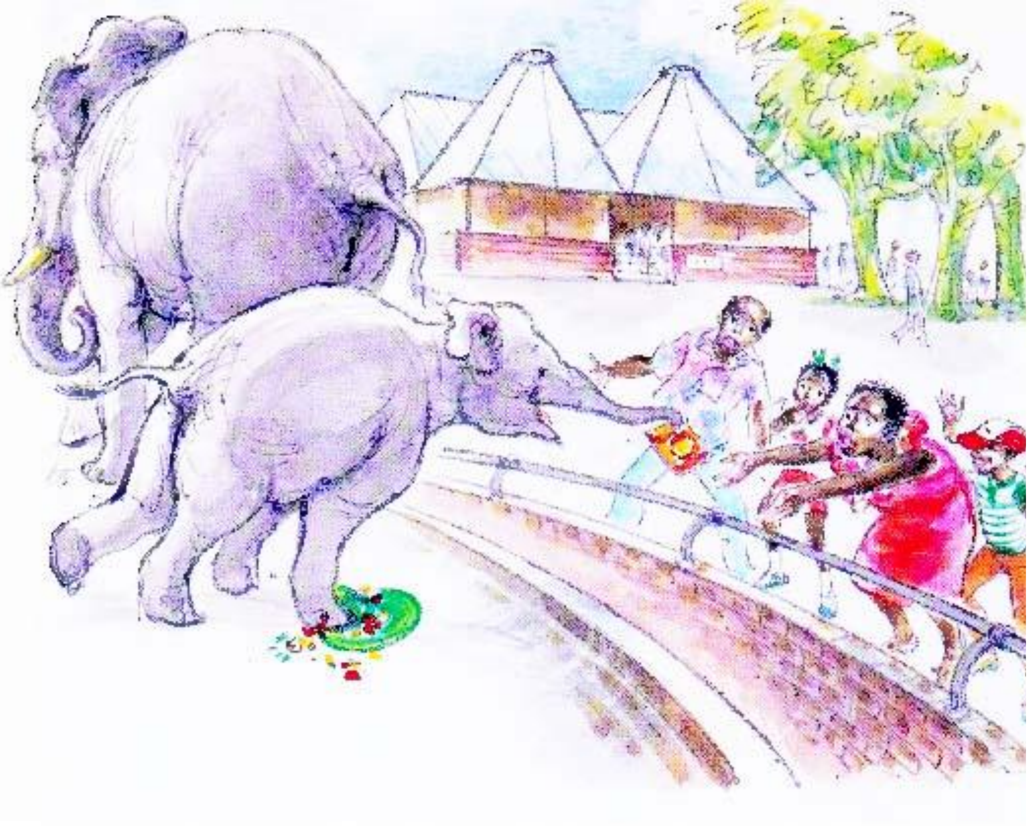

जेनी ने सुझाव दिया,
"मेवे का झोला उसे दे दो।"
छोटा हाथी लालची था।
उसने मेवे ले लिए और टोपी छोड़ दी,
फिर वो झोले पर पैर रख कर खड़ा हो गया।